RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
मार्च
17
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

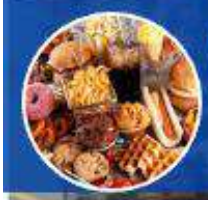

By Ankit Avasthi Sir

UN80 पहल / UN80 Initiative

संदर्भ:

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने UN80 इनिशिएटिव की घोषणा की है, जिसका उद्देश्य 80 वर्षीय विश्व संगठन की कार्यक्षमता में सुधार करना और इसे अधिक किफायती बनाना है।

UN80 पहल (UN80 Initiative):

UN80 पहल एक सुधार प्रयास है जिसका उद्देश्य **संयुक्त राष्ट्र (UN)** को अधिक प्रभावी और लागत-कुशल बनाना है। इसे लगभग **80 वर्ष पुराने संगठन** को आधुनिक बनाने के लिए **संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस** द्वारा घोषित किया गया था।

मुख्य लक्ष्य:

1. **संचालन में सुधार करना:** संयुक्त राष्ट्र की गतिविधियों को सरल और अधिक प्रभावी बनाने के लिए संचालन में दक्षता की पहचान करना।
2. **मौजूदा आदेशों की समीक्षा:** वैश्विक प्राथमिकताओं के साथ बेहतर तालमेल के लिए मौजूदा आदेशों की समीक्षा करना।
3. **कार्यक्रमों का पुनर्गठन:** वित्तीय और मानव संसाधनों का सर्वोत्तम उपयोग करने के लिए कार्यक्रमों का पुनर्गठन करना।
4. **संयुक्त राष्ट्र निकायों के बीच सहयोग बढ़ाना:** समन्वित कार्यवाही के लिए विभिन्न UN निकायों के बीच बेहतर सहयोग सुनिश्चित करना।
5. **बजट आवंटन और खर्च में पारदर्शिता:** बजट आवंटन और खर्च में अधिक पारदर्शिता सुनिश्चित करना।

उद्देश्य (Aim):

1. **वित्तीय स्थिरता में सुधार करना:** घटते वैश्विक योगदान के बीच वित्तीय स्थिरता को मजबूत करना।
2. **संरचनात्मक सुधारों को बढ़ावा देना:** बेहतर आदेश कार्यान्वयन के लिए संरचनात्मक सुधारों में वृद्धि करना।
3. **रणनीतिक योजना और लागत-प्रभावशीलता को सशक्त बनाना:** रणनीतिक योजना को मजबूत करना और लागत-प्रभावशीलता को बढ़ाना।

विशेषताएँ (Features):

1. **आंतरिक कार्यबल की स्थापना:** यह एक आंतरिक कार्यबल स्थापित करता है जिसका नेतृत्व **अंडर-सेक्रेटरी-जनरल गाय राइडर (Guy Ryder)** द्वारा किया जाएगा
2. **कठोर समीक्षा प्रणाली:** संयुक्त राष्ट्र कार्यक्रमों और संचालन का आकलन करने के लिए एक सख्त समीक्षा तंत्र की शुरुआत करता है।
3. **नई वैश्विक चुनौतियों के प्रति तत्परता:** संयुक्त राष्ट्र को उभरती वैश्विक चुनौतियों का उत्तरदायी बनाने का प्रयास।
4. **वित्तीय योगदान को प्रोत्साहित करना:** सदस्य देशों से समय पर वित्तीय योगदान प्राप्त करने की प्रक्रिया को प्रोत्साहित करना ताकि तरलता संकट (Liquidity Crisis) को हल किया जा सके।

संयुक्त राष्ट्र (UN) के बारे में:

संयुक्त राष्ट्र (UN) एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है जिसकी स्थापना 24 अक्टूबर 1945 को शांति, सुरक्षा, मानवाधिकारों और विकास को बढ़ावा देने के लिए की गई थी। वर्तमान में इसके 193 सदस्य देश हैं और यह अंतरराष्ट्रीय सहयोग के लिए एक वैश्विक मंच के रूप में कार्य करता है।

संयुक्त राष्ट्र का चार्टर (UN Charter) 1945: यह संयुक्त राष्ट्र का मूल संधि है जो इसे एक अंतर-सरकारी संगठन के रूप में स्थापित करता है।

संयुक्त राष्ट्र के मुख्य अंग (Main Organs of the UN)

1. **महासभा (General Assembly - UNGA):** यह मुख्य विचार-विमर्श करने वाला निकाय है जहाँ सभी सदस्य देश भाग लेते हैं।
2. **सुरक्षा परिषद (Security Council - UNSC):** यह अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने का कार्य करता है। इसके पाँच स्थायी सदस्य (P5) और दस निर्वाचित सदस्य होते हैं।
3. **आर्थिक और सामाजिक परिषद (Economic and Social Council):** यह वैश्विक आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय नीतियों का समन्वय करता है।
4. **अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (International Court of Justice - ICJ):** यह राज्यों के बीच कानूनी विवादों का निपटारा करता है।
5. **सचिवालय (Secretariat):** यह संयुक्त राष्ट्र के दैनिक संचालन को संचालित करता है और इसका नेतृत्व महासचिव (Secretary-General) करते हैं।

भारतीय रुपया प्रतीक / Indian Rupee Symbol

संदर्भ:

तमिलनाडु सरकार ने राज्य के बजट 2025-26 में आधिकारिक भारतीय **रुपये (₹)** के प्रतीक को बदलकर तमिल अक्षर 'रु' **(ரூ)** कर दिया है।

भारतीय रुपया प्रतीक (₹) के बारे में:

रुपया प्रतीक (₹)

- **डिज़ाइन:** यह प्रतीक **उदय कुमार धर्मलिंगम** द्वारा बनाया गया था, जो एक IIT प्रोफेसर और पूर्व DMK विधायक के पुत्र हैं।
- **सरकारी स्वीकृति:** भारत सरकार ने इस प्रतीक को **15 जुलाई, 2010** को आधिकारिक रूप से अपनाया।

प्रतीक की विशेषताएं (Features of the Symbol):

1. **संयोजन:** यह प्रतीक देवनागरी अक्षर 'र' और रोमन अक्षर 'R' का मेल है, जो भारत की भाषाई विविधता को दर्शाता है।
2. **राष्ट्रीय ध्वज का संकेत:** शीर्ष पर दो समानांतर क्षैतिज रेखाएं भारतीय राष्ट्रीय ध्वज का प्रतिनिधित्व करती हैं और यह दिखाती हैं कि तिरंगा ऊँचा लहरा रहा है।
3. **संतुलन और स्थिरता:** ये क्षैतिज रेखाएं गणित में 'बराबर' (Equal to) चिह्न को भी दर्शाती हैं, जो संतुलित और स्थिर अर्थव्यवस्था का प्रतीक है।
4. **आधुनिकता और सांस्कृतिक विरासत का संगम:** इसका डिज़ाइन भारतीय विरासत और आधुनिकता का अनोखा मिश्रण है।
5. **आधुनिकता और सांस्कृतिक विरासत का संगम:** इसका डिज़ाइन भारतीय विरासत और आधुनिकता का अनोखा मिश्रण है।
6. **वैश्विक पहचान:** इसकी अनोखी डिज़ाइन इसे वैश्विक वित्तीय प्रणालियों में आसानी से पहचाने जाने योग्य बनाती है।

चयन प्रक्रिया (Selection Process): इसे **2009 में एक राष्ट्रीय प्रतियोगिता** के माध्यम से चुना गया, जिसमें कई अन्य डिज़ाइन शामिल थे।

A symbol should symbolize a meaningful thought. Meaning to a symbol is like **Soul** to a body, without soul the body is nothing, without deeper, sensible and thought provoking meaning the symbol is needless.

This symbol truly symbolizes our country, our tradition, our nations economy and its currency.

2010 से पहले का प्रतीक (Representation Before 2010):

- 2010 से पहले, भारतीय रुपये को **"Rs" या "INR"** के रूप में दर्शाया जाता था, जिससे पाकिस्तान और श्रीलंका जैसे अन्य रुपया-उपयोग करने वाले देशों की मुद्राओं के साथ भ्रम की स्थिति बनती थी।

भारतीय रुपये का प्रतीक और राष्ट्रीय चिह्न से संबंधित प्रावधान

1. **राष्ट्रीय चिह्न के रूप में मान्यता न होना:** भारतीय रुपये के प्रतीक (₹) को **राष्ट्रीय चिह्न के रूप में मान्यता नहीं दी गई है**। यदि इसे राष्ट्रीय चिह्न माना जाता, तो इसमें बदलाव का अधिकार केवल **केंद्र सरकार के पास** होता।
2. **राष्ट्रीय चिह्न से संबंधित कानून:**
   - राष्ट्रीय चिह्न में बदलाव से संबंधित प्रावधान **भारतीय राष्ट्रीय चिन्ह (दुरुपयोग की रोकथाम) एक्ट, 2005** के अंतर्गत आते हैं।
   - इस कानून को **2007 में अपडेट** किया गया है।
3. **सेक्शन 6(2)(f) के प्रावधान:** इस धारा में यह उल्लेख है कि **सरकार राष्ट्रीय प्रतीकों की डिजाइन में बदलाव कर सकती है**।
4. **महत्वपूर्ण तथ्य:** चूँकि रुपये का प्रतीक राष्ट्रीय चिह्न की सूची में शामिल नहीं है, इसलिए इसके डिज़ाइन में परिवर्तन की प्रक्रिया अपेक्षाकृत सरल है और इसके लिए राष्ट्रीय प्रतीकों से जुड़े सख्त नियम लागू नहीं होते।

भारत ने दक्षिण-पूर्व एशिया निगरानी नेटवर्क का प्रस्ताव / India Propose South-East Asia Surveillance Network

संदर्भ:

भारत ने महामारी और स्वास्थ्य आपात स्थितियों की बेहतर प्रतिक्रिया के लिए **दक्षिण-पूर्व एशिया निगरानी नेटवर्क** बनाने का प्रस्ताव दिया है, जिससे बहु-स्रोत सहयोगी निगरानी को मजबूत किया जा सके।

- इस प्रस्ताव पर इस वर्ष के अंत में **WHO दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र (SEARO)** के 11 सदस्य देशों के साथ चर्चा की जाएगी।

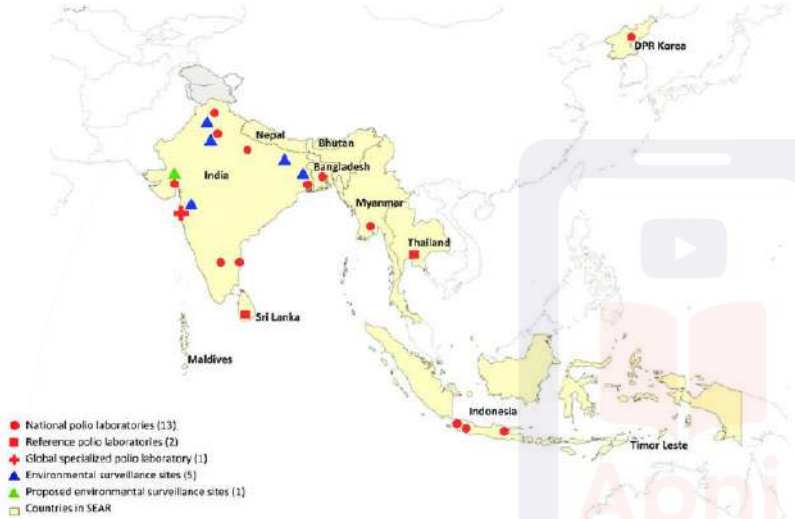

दक्षिण-पूर्व एशिया निगरानी नेटवर्क का प्रस्ताव:

1. **प्रस्ताव की प्रस्तुति:**
   - यह प्रस्ताव **WHO दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र (SEARO)** द्वारा आयोजित **मल्टीसोर्स सहयोगात्मक निगरानी पर क्षेत्रीय बैठक** में प्रस्तुत किया गया।
2. **उद्देश्य:**
   - **मल्टी-सोर्स निगरानी (Multi-source Surveillance)** को बढ़ावा देना और **11 SEARO सदस्य देशों के बीच सीमा-पार सहयोग (Cross-border Collaboration)** को सशक्त बनाना।
3. **लक्ष्य:**
   - **वास्तविक समय में स्वास्थ्य डेटा साझा करना (Real-time Health Data Sharing)** और क्षेत्र में **बहु-क्षेत्रीय सहयोग (Multi-sectoral Collaboration)** को मजबूत करना।
   - **बीमारियों की पहचान, निगरानी और महामारी व आपदाओं के प्रति प्रतिक्रिया (Disease Detection, Monitoring, and Response)** को बेहतर बनाना।
   - जटिल स्वास्थ्य आपात स्थितियों में **तथ्यों पर आधारित निर्णय लेना (Evidence-based Decision-Making)**।
4. **कार्यान्वयन ढाँचा (Implementation Framework):**
   - WHO के **क्षेत्रीय मैनुअल ऑन पब्लिक हेल्थ डिसीजन-मेकिंग विद मल्टीसोर्स कोलैबोरेटिव सर्विलांस** का उपयोग करना, जिसमें **स्टेप-बाय-स्टेप एप्रोच** शामिल है।
   - **इंडोनेशिया और नेपाल** जैसे देशों ने पहले ही इसका कार्यान्वयन शुरू कर दिया है।
   - **प्रयोगशाला प्रणालियों को सुदृढ़ करना (Strengthen Laboratory Systems)** और स्वास्थ्य सुरक्षा में सुधार के लिए **क्रॉस-सेक्टोरल पार्टनरशिप** को सशक्त बनाना।

मुख्य फोकस क्षेत्र (Key Focus Areas):

- **महामारी और आपदा तैयारी:** संक्रामक बीमारियों और उभरते स्वास्थ्य खतरों का सामना करने के लिए प्रतिक्रियाओं में सुधार करना।
- **जूनोटिक और खाद्यजनित रोग :** मानव-पशु-पारिस्थितिकी तंत्र के इंटरफेस पर खतरों का समाधान करना।
- **जलवायु-जनित स्वास्थ्य आपातकाल:** जलवायु परिवर्तन से जुड़ी वेक्टर-जनित और जलजनित बीमारियों का सामना करना।
- **एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोध (AMR):** दवा-प्रतिरोधी संक्रमणों का मुकाबला करने के लिए क्षेत्रीय प्रयासों को सशक्त बनाना

दक्षिण-पूर्व एशिया निगरानी नेटवर्क को लागू करने में चुनौतियाँ:

1. **डेटा साझाकरण की समस्याएँ:** गोपनीयता की चिंताओं और भू-राजनीतिक तनावों के कारण देश संवेदनशील स्वास्थ्य डेटा साझा करने से हिचकिचा सकते हैं।
2. **मानकीकृत प्रणालियों की कमी:** विभिन्न देशों में निगरानी ढाँचों (Surveillance Frameworks) में भिन्नता के कारण डेटा असंगतता और रिपोर्टिंग में देरी हो सकती है।
3. **वित्तपोषण और बुनियादी ढाँचे की कमी:** उन्नत प्रयोगशालाओं, निदान सुविधाओं और डिजिटल स्वास्थ्य उपकरणों का विकास करने के लिए निरंतर वित्तीय निवेश की आवश्यकता होती है।
4. **सीमित बहु-क्षेत्रीय समन्वय:** प्रभावी निगरानी के लिए स्वास्थ्य, पर्यावरण, कृषि और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों के बीच सहयोग आवश्यक है, जो अक्सर कमज़ोर होता है।
5. **नियमात्मक और कानूनी बाधाएँ:** अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य विनियमों (IHR) (2005) में संशोधन को समान रूप से अपनाना आवश्यक है ताकि क्षेत्रीय एकीकरण में कोई बाधा न आए।

स्टारलिंक के प्रवेश से पहले केंद्र सरकार की शर्तें / Central Government's Conditions Before Starlink's Entry

संदर्भ:

केंद्र सरकार ने **भारत में स्टारलिंक की एंट्री के लिए सख्त शर्तें तय की हैं।** सरकार ने एलन मस्क की इस सैटेलाइट कंपनी को भारत में एक **नियंत्रण केंद्र स्थापित करने** का निर्देश दिया है, जिससे जरूरत पड़ने पर संवेदनशील क्षेत्रों में संचार सेवाओं को निलंबित या बंद किया जा सके ताकि कानून और व्यवस्था बनाए रखी जा सके।

सरकार द्वारा स्टारलिंक के सामने रखी गई तीन शर्तें:

1. **भारत में कंट्रोल सेंटर स्थापित करना:** स्टारलिंक को इंटरनेट सेवाएं बंद करने के लिए भारत में एक कंट्रोल सेंटर स्थापित करना होगा।
2. **कॉल इंटरसेप्शन की अनुमति:** सुरक्षा एजेंसियों को कॉल इंटरसेप्ट (सुनने या रिकॉर्ड करने) करने की अनुमति दी जानी चाहिए।
3. **विदेशी कॉल्स को भारत में गेटवे के माध्यम से रूट करना:** सैटेलाइट के जरिए विदेश में किए गए कॉल्स को सबसे पहले स्टारलिंक के गेटवे पर लाना होगा। इसके बाद, टेलीकॉम ऑपरेटर्स इसे विदेश में फॉरवर्ड कर सकेंगे।

कंट्रोल सेंटर की आवश्यकता:

- देश में किसी भी हिस्से में **कानून-व्यवस्था (Law and Order)** बिगड़ने की स्थिति में संचार सेवाओं को तुरंत बंद करने के लिए कंट्रोल सेंटर होना आवश्यक है।
- इसमें **सैटेलाइट सेवाएं (Satellite Services)** भी शामिल हैं, इसलिए **स्टारलिंक का कंट्रोल सेंटर भारत में बनाने** की मांग की गई है।

जियो और एयरटेल का स्टारलिंक के साथ करार:

- **भारत में सैटेलाइट इंटरनेट सेवा** प्रदान करने के लिए, देश की दो प्रमुख टेलिकॉम कंपनियां **जियो और एयरटेल** ने **इलॉन मस्क की कंपनी स्टारलिंक** के साथ समझौता किया है।

समझौते की विशेषताएँ:

1. **संयुक्त कार्य: स्पेसएक्स और एयरटेल** मिलकर बिजनेस, शैक्षणिक संस्थानों, स्वास्थ्य सेवा केंद्रों और दूरदराज के क्षेत्रों में स्टारलिंक सेवाएं देने का काम करेंगे।
2. **इन्फ्रास्ट्रक्चर का समावेश:** एयरटेल के मौजूदा नेटवर्क इन्फ्रास्ट्रक्चर में **स्टारलिंक तकनीक (Starlink Technology)** को इंटीग्रेट करने की संभावनाओं की तलाश की जाएगी।

सैटेलाइट इंटरनेट:

सैटेलाइट इंटरनेट एक वायरलेस इंटरनेट सेवा है, जो पृथ्वी की कक्षा में घूमने वाले संचार उपग्रहों (Communication Satellites) के माध्यम से संचालित होती है। यह **स्थान-निर्भर (Location Independent)** नहीं होती और वैश्विक कवरेज (Global Coverage) प्रदान करती है।

- उपग्रह एक-दूसरे से लेज़र के माध्यम से संचार करते हैं, जिससे ग्राउंड स्टेशनों पर निर्भरता कम होती है।

स्टारलिंक सैटेलाइट इंटरनेट सेवा: वर्तमान में, लगभग **7,086 स्टारलिंक सैटेलाइट्स** कक्षा में हैं।

- प्रत्येक स्टारलिंक सैटेलाइट में:
  - **3 स्पेस लेज़र (Optical Intersatellite Links or ISLs):** ये लेज़र 200 Gbps की स्पीड से कार्य करते हैं और मिलकर एक **वैश्विक इंटरनेट जाल (Global Internet Mesh)** बनाते हैं।
  - **5 उन्नत Ku-बैंड फ़ेज़्ड एरे एंटेना:** और **3 दुअल-बैंड एंटेना (Ka-बैंड और E-बैंड):** ये उच्च-बैंडविड्थ कनेक्टिविटी प्रदान करते हैं।

सैटेलाइट इंटरनेट का महत्व:

1. **कनेक्टिविटी में सुधार:** यह उन क्षेत्रों में कनेक्टिविटी प्रदान करता है जहाँ इंटरनेट सेवा उपलब्ध नहीं है या अस्थिर है।
2. **आपदाओं के दौरान कनेक्टिविटी:** स्टारलिंक ने टोंगा में ज्वालामुखी विस्फोट और सुनामी के बाद कनेक्टिविटी प्रदान की।
3. **सैन्य उपयोग:** सैन्य ठिकानों, विमानों, जहाजों और ड्रोन के बीच कनेक्टिविटी प्रदान करता है।

चिंताएँ:

1. **खगोल विज्ञान में बाधा:** रात के समय उपग्रहों द्वारा उत्सर्जित उज्ज्वल प्रकाश खगोलविदों के अवलोकनों में बाधा उत्पन्न कर सकता है।
2. **वायुमंडलीय परिवर्तन:** सेवा से बाहर किए गए उपग्रहों को पृथ्वी के वायुमंडल में भेजने की योजना से वायुमंडलीय रसायन विज्ञान में परिवर्तन का खतरा हो सकता है।
3. **तकनीकी सीमाएँ:** अत्यधिक मौसम की स्थिति और भूचुंबकीय तूफानों के कारण रुकावटें उत्पन्न हो सकती हैं।

आर्मेनिया-अज़रबैजान शांति समझौता / Armenia–Azerbaijan Peace Agreement

संदर्भ:

आर्मेनिया और अज़रबैजान ने नागोर्नो-काराबाख को लेकर लगभग चार दशकों से चले आ रहे संघर्ष के बाद **शांति संधि** पर सहमति जताई है, जो क्षेत्र में एक ऐतिहासिक समाधान को दर्शाता है।

Nagorno-Karabakh Conflict:

- यह एक पुराना क्षेत्रीय और जातीय विवाद है जो आर्मेनिया और अज़रबैजान के बीच नागोर्नो-काराबाख क्षेत्र (Nagorno-Karabakh Region) को लेकर चल रहा है।
- यह क्षेत्र दक्षिण कॉकस (South Caucasus) में स्थित एक भूमिबद्ध पर्वतीय क्षेत्र है।

विवाद की मुख्य बातें:

1. **अंतरराष्ट्रीय मान्यता:** यह क्षेत्र अंतरराष्ट्रीय रूप से अज़रबैजान का हिस्सा माना जाता है।
2. **जातीय जनसंख्या:** इस क्षेत्र में अधिकांश आबादी जातीय रूप से आर्मेनियाई (Ethnic Armenian Population) है, जो स्व-शासन (Self-rule) की मांग कर रही है।
3. **संघर्ष का इतिहास:** इस विवाद के कारण कई युद्ध (Wars), युद्धविराम (Ceasefires) और अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेप (International Interventions) हो चुके हैं।

नागोर्नो-काराबाख संघर्ष:

प्रारंभिक पृष्ठभूमि: यह संघर्ष **क्रिस्टियन आर्मेनियाई (Christian Armenian)** और **मुस्लिम तुर्किक (Turkic) और फारसी (Persian) प्रभावों** के बीच लंबे समय से चल रहे टकराव से उत्पन्न हुआ है।

मुख्य घटनाएं:

1. **1920s:** प्रथम विश्व युद्ध (World War I) और बोल्शेविक क्रांति (Bolshevik Revolution) के बाद, सोवियत शासकों (Soviet Rulers) ने नागोर्नो-काराबाख स्वायत्त क्षेत्र (Nagorno-Karabakh Autonomous Region) का गठन किया, जो अज़रबैजान (Azerbaijan) के अंतर्गत था लेकिन इसमें जातीय आर्मेनियाई बहुसंख्यक (Ethnic Armenian Majority) थे।
2. **1991: सोवियत संघ के विघटन (Soviet Union Collapse)** के समय, **काराबाख (Karabakh)** ने स्वतंत्रता की घोषणा की।
    - आर्मेनियाई और अज़रबैजानी लोगों के बीच तनाव बढ़ा और यह एक **पूर्ण युद्ध (Full-scale War)** में बदल गया।
3. **1992-94 (प्रथम काराबाख युद्ध / First Karabakh War):**
    - लगभग **30,000 लोग मारे गए।**
    - आर्मेनियाई लोगों ने इस क्षेत्र पर नियंत्रण कर लिया और अज़रबैजान के आसपास की भूमि पर क जा कर लिया, जिससे **बफर ज़ोन** बन गया।
4. **2017:** काराबाख में **एक जनमत संग्रह** के माध्यम से सरकार को **पूर्ण राष्ट्रपति प्रणाली** में बदल दिया गया।
    - क्षेत्र का नाम बदलकर नागोर्नो-काराबाख रिपब्लिक से रिपब्लिक ऑफ आर्टसाख (Republic of Artsakh) कर दिया गया।
5. **2020 (द्वितीय काराबाख युद्ध / Second Karabakh War):** अज़रबैजान ने काराबाख के आसपास के क्षेत्र को पुन: प्राप्त कर लिया।
    - 6 सप्ताह के युद्ध (Six Weeks of Fighting) में लगभग 3,000 अज़रबैजानी और 4,000 आर्मेनियाई सैनिक मारे गए।
6. **2022:** आर्मेनियाई और अज़रबैजानी बलों के बीच **झड़पें (Clashes)** हुईं।
    - इस संघर्ष में 100 आर्मेनियाई और 70 अज़रबैजानी सैनिक मारे गए।
7. **2024:** नागोर्नो-काराबाख को आधिकारिक रूप से समाप्त कर दिया गया (Officially Dissolved)।

आर्मेनिया-अज़रबैजान शांति समझौता- 2025:

मुख्य बिंदु:

1. **समझौते की तारीख (March 2025):** मार्च 2025 में दोनों देशों ने **शांति समझौते (Peace Treaty)** पर हस्ताक्षर किए।
2. **संप्रभुता की मान्यता:** आर्मेनिया ने अज़रबैजान के **नागोर्नो-काराबाख (Nagorno-Karabakh)** पर नियंत्रण को स्वीकार कर लिया।
3. **राजनयिक और व्यापारिक संबंध:** दोनों देशों ने **राजनयिक संबंध स्थापित करने (Establish Diplomatic Relations)** और **व्यापार मार्गों को पुनर्स्थापित करने (Restore Trade Routes)** पर सहमति जताई।
4. **सीमा निर्धारण प्रक्रिया:** दोनों देशों के बीच **सीमा निर्धारण की प्रक्रिया** शुरू कर दी गई है।

स्पैडेक्स अनडॉकिंग सफल / Spadex undocking successful

संदर्भ:

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने **SpaDex उपग्रहों के अनडॉकिंग ऑपरेशन** को पहली ही कोशिश में सफलतापूर्वक पूरा कर लिया।

- इस सफलता के साथ, भारत **अमेरिका, रूस और चीन** के प्रतिष्ठित समूह में शामिल हो गया है, जिन्होंने **अंतरिक्ष में डॉकिंग और अनडॉकिंग क्षमता** का प्रदर्शन किया है।

अंतरिक्ष डॉकिंग / Space Docking:

अर्थ:

अंतरिक्ष डॉकिंग उस प्रक्रिया को कहते हैं जिसमें दो अंतरिक्ष यान कक्षा में मिलने के बाद आपस में जुड़कर एक इकाई के रूप में कार्य करते हैं। यह एक बहुत ही जटिल और सटीक प्रक्रिया होती है, जो उन्नत अंतरिक्ष अभियानों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

अंतरिक्ष डॉकिंग के मुख्य चरण (Key Steps of Space Docking):

1. **रेंडेज़वस (Rendezvous):** दो अंतरिक्ष यानों को एक ही कक्षा में लाना और उनकी दूरी और वेग (velocity) के अंतर को न्यूनतम करना।
2. **डॉकिंग (Docking):** विशेष डॉकिंग सिस्टम का उपयोग करके दोनों अंतरिक्ष यानों के बीच एक यांत्रिक संबंध (Mechanical Connection) स्थापित करना।
3. **शक्ति और संसाधन साझाकरण (Power and Resource Sharing):** डॉकिंग के बाद, दोनों अंतरिक्ष यान **शक्ति (Power), ईंधन (Fuel), या चालक दल (Crew)** को स्थानांतरित कर सकते हैं ताकि संयुक्त अभियानों (Joint Operations) को सफलतापूर्वक पूरा किया जा सके।

अनडॉकिंग / Undocking:

अर्थ:

अनडॉकिंग वह प्रक्रिया है जिसमें दो जुड़े हुए अंतरिक्ष यान (सैटेलाइट्स) को अलग किया जाता है ताकि वे स्वतंत्र रूप से अपने-अपने मार्ग पर आगे बढ़ सकें।

अनडॉकिंग प्रक्रिया का विवरण (Details of the Undocking Process):

अनडॉकिंग की प्रक्रिया:

- अनडॉकिंग का संचालन **460 किलोमीटर की गोलाकार कक्षा (Circular Orbit)** में किया गया, जिसका झुकाव (Inclination) **45 डिग्री** था।

PSLV-C60 SpaDeX Mission (PSLV-C60 SpaDeX मिशन):

1. **सैटेलाइट्स का नाम:** **SDX-01 (Chaser)** और **SDX-02 (Target)**
2. **लॉन्च की जानकारी:** ये दोनों सैटेलाइट्स 30 दिसंबर, 2024 को **Polar Satellite Launch Vehicle (PSLV)-C60** के माध्यम से **सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र, श्रीहरिकोटा** से प्रक्षेपित किए गए थे।

मिशन का उद्देश्य (Objective of the Mission):

1. **Docking और Undocking तकनीक का प्रदर्शन:** अंतरिक्ष में दो सैटेलाइट्स को जोड़ने (Docking) और अलग करने (Undocking) की तकनीक का परीक्षण करना।
2. **रेंडीवू क्षमता (Rendezvous Capability):** कम-पृथ्वी कक्षा (Low-Earth Orbit - LEO) में सैटेलाइट्स को एक-दूसरे के करीब लाने की तकनीक को परखना।
3. **ऊर्जा हस्तांतरण:** Docking के बाद एक सैटेलाइट से दूसरे सैटेलाइट में ऊर्जा का हस्तांतरण करना, जो भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों के लिए महत्वपूर्ण है।

महत्वता (Significance):

1. यह मिशन भारत को **अंतरिक्ष में Docking तकनीक में महारत हासिल करने वाला चौथा देश** बनाएगा।
2. इससे पहले यह तकनीक केवल **अमेरिका, रूस और चीन** के पास थी।
3. भविष्य में अंतरिक्ष स्टेशनों, गहरे अंतरिक्ष मिशनों और अंतरिक्ष में ईंधन भरने के अभियानों के लिए यह तकनीक बेहद महत्वपूर्ण होगी।

प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण में कार्यान्वयन संबंधी कमियाँ / Implementation gaps in Pradhan Mantri Awas Yojana-Gramin

संदर्भ:

संसदीय स्थायी समिति ने ग्रामीण विकास ने सरकार पर **प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (PMAY-G)** के तहत **'वास्तविक लाभार्थियों' की पहचान करने में विफल रहने** का आरोप लगाया है। समिति ने योजना के कार्यान्वयन में खामियों को उजागर किया है, जिससे जरूरतमंद लोगों तक लाभ पहुंचाने में बाधाएं आ रही हैं।

प्रधानमंत्री आवास योजना - ग्रामीण (PMAY-G) का परिचय:

पृष्ठभूमि (Background):

1. **शुरुआत:** यह योजना 1 अप्रैल 2016 को शुरू की गई थी।
2. **उद्देश्य:**
   - **स्थायी आवास प्रदान करना:** पात्र ग्रामीण परिवारों को पक्का मकान उपलब्ध कराना।
   - **आवासीय अभाव को दूर करना:** सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना (SECC) 2011 के माध्यम से पहचाने गए आवासीय अभाव को हल करना।
   - **बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित करना:** बिजली, स्वच्छता और स्वच्छ पेयजल जैसी सुविधाएं प्रदान करना।
   - **महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना:** घर आवंटन में संयुक्त स्वामित्व को अनिवार्य करना।
3. **वित्तपोषण (Funding):**
   - मैदानी क्षेत्र (Plains): केंद्र और राज्यों के बीच 60:40 का अनुपात।
   - उत्तर-पूर्व, हिमालयी राज्य, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख: 90:10 का अनुपात।
   - केंद्र शासित प्रदेश (Union Territories): 100% केंद्र सरकार द्वारा वित्तपोषित।
4. **लाभार्थियों को वित्तीय सहायता (Financial Assistance to Beneficiaries):**
   - **मैदानी क्षेत्र में:** प्रति इकाई ₹1.2 लाख।
   - **पहाड़ी और कठिन क्षेत्रों में:** प्रति इकाई ₹1.3 लाख।
   - **चयन प्रक्रिया:** SECC 2011 डेटा के आधार पर चयन, जिसे ग्राम सभा द्वारा सत्यापित किया जाता है।
5. **लाभार्थियों में शामिल:**
   - अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति और मुक्त बंधुआ मजदूर।
   - गैर-एससी/एसटी बीपीएल परिवार।
   - विधवाएं और कार्रवाई में मारे गए रक्षा कर्मियों के परिजन।
   - पूर्व सैनिक, अर्धसैनिक बल, दिव्यांग व्यक्ति और अल्पसंख्यक।

प्रगति और लक्ष्य (Progress and Targets):

1. **लक्ष्य (2016-2029):** 4.95 करोड़ घरों का निर्माण।
2. **स्थिति (2 फरवरी 2025 तक):**
   - आवंटित लक्ष्य: 3.79 करोड़ घर।
   - स्वीकृत घर: 3.34 करोड़।
   - पूर्ण घर: 2.69 करोड़।
3. **अतिरिक्त लक्ष्य (2024-29):** 2 करोड़ और घरों के निर्माण को मंजूरी।

सुधार के लिए सिफारिशें (Recommendations for Improvement):

1. **आवासों की संख्या बढ़ाना:**
   - समिति ने योजना के तहत निर्धारित घरों की कुल संख्या को कम से कम 3.46 करोड़ तक बढ़ाने की सिफारिश की है।
   - यह आंकड़ा मौजूदा लंबित मामलों और नए आवंटनों दोनों को ध्यान में रखते हुए तय किया गया है।
2. **उद्देश्य:**
   - योजना को ग्रामीण आबादी की आवास संबंधी जरूरतों को प्रभावी ढंग से पूरा करने में सक्षम बनाना।

"GET READY FOR A WILD RIDE OF KNOWLEDGE !"

SUBSCRIBE OUR NEW YOUTUBE CHANNEL

ANKIT AVASTHI

Video will be upload soon !

RRB NTPC
TEST SERIES
100+ Mock Test
78 Sectional Test
40+ years PYPs
60+ Current affairs
TEST
Only
99
Per
Year
Buy Now

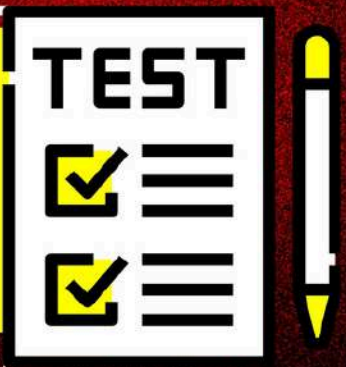

GA FOUNDATION

Hand Written Notes

Apni Pathshala
एक कदम उज्ज्वल भविष्य की ओर

Ankit Inspires India

₹ Only 1999

4 पुस्तकों का सम्पूर्ण सेट

अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

APNI PATHSHALA

UPPSC,RO/ARO,BPSC,UP TEST SERIES

UPPSC
(TEST SERIES)
- 35+ MOCK TESTS
- 40+ PYQ'S
- 180+ TOPIC WISE TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299/- YEAR

RO/ARO
(TEST SERIES)
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299/- YEAR

BPSC
(TEST SERIES)
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299 YEAR

SSC (TEST SERIES)
- 30 MOCK TESTS
- 28+ YEAR PYP
- 12 SECTIONAL TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 99/- YEAR

RPF (TEST SERIES)
- 40 MOCK TESTS
- 2 YEAR PYQ'S
- 4 SECTIONAL TEST
- 10 PRACTICE TEST
- 60 CURRENT AFFAIRS

ONLY 99/- YEAR

Download | Application

Apni Pathshala

7878158882

Apni.Pathshala Avasthiankit

AnkitAvasthiSir kaankit

ANKIT AVASTHI SIR

NCERT COMPLETE

FOUNDATION BATCH

FOR ALL

- POLITY
- ECONOMICS
- HISTORY
- GEOGRAPHY

- DAILY LIVE CLASSES
- , WEEKLY TEST
- CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
- LIVE DOUBT SESSIONS
- DAILY PRACTISE PROBLEM

Rs 4999/-

Apni Pathshala 7878158882 Apni.Pathshala kaankit AnkitAvasthiSir Avasthiankit

ONLY
POLITY
1499
RS
DAILY LIVE CLASSES
, WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTISE PROBLEM
Apni Pathshala
7878158882
Apni.Pathshala
kaankit
AnkitAvasthiSir
Avasthiankit

SSC TEST SERIES

CGL, CHSL, MTS, CET, CPO, GD,

Stenographer (Grades C & D)

Only at

99/-Year

Enroll Now !